Title: Need for rural electrification in Godhara parliamentary constituency, Gujarat.

श्री भूपेन्द्रसिंह सोलंकी (गोधरा) : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो सम्पूर्ण देश के निवासी बिजली संकट को झेल रहे हैं लेकिन अभी भी स्वतंत्रता के 50 वर्ा से अधिक व्यतीत होने के बावजूद ऐसे भी गांव हैं जिन का अभी तक विद्युतीकरण नहीं हो पाया है। विद्युतीकरण का कार्य इतनी धीमी गति से हो रहा है कि यह कहना बड़ा कठिन है कि कब तक देश के सभी गांवों का विद्युतीकरण होगा? सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी 80 हजार गांवों का विद्युतीकरण होना शेा है लेकिन यदि वास्तविकता देखी जाए तो शायद इनकी संख्या और भी अधिक होगी क्यों कि किसी गांव में एक बल्ब जलने लगता है तो सरकार उसे विद्युतीकरण में सम्मिलित कर लेती है चाहे पूरा गांव अंधेरे में डूबा हो। विद्युतीकरण की धीमी गति का कारण धनाभाव बताया जाता है। गुजरात में अनेक ऐसे गांव हैं जहां विद्युतीकरण नहीं हो पाया है जबकि यहां पर अधिकाश लोग अनूसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जाति से संबंधित हैं। सरकार ऐसे गांवों का विद्युतीकरण प्राथमिकता के आधार पर करती है लेकिन गुजरात सरकार धन की कमी बता कर पिछले कई वर्ाों से इन गांवों का विद्युतीकरण नहीं कर रही है।

अतः मेरी विद्युत मंत्री से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र के ऐसे गांवों के विद्युतीकरण के लिए आर्थिक सहयाता प्रदान करने का कट करें ताकि इन गांवों का विद्युतीकरण हो जाए।

(इति)